एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स – तबला वादन – 2015

नोट :

(अ) प्रवेश की योग्यता 10+2 पास विद्यार्थी।

(ब) एक बैच में विद्यार्थियों की अधिकत संख्या – 8 (आठ)

(स) अध्यापक की योग्यता – संगीत विशारद की उपाधि अथवा तबले में बी.ए. योग्यता व संगत करने का अनुभव।

प्रश्न – पत्र – प्रथम (सैद्धान्तिक)

अधिकतम अंक : 80 समय : तीन घन्टे

1. अवनद्ध वाद्यों के इतिहास का सामान्य अध्ययन।
2. तबले के उद्‌गम व विकास का इतिहास।
3. तबले के घरानों की सामान्य जानकारी व वाद्य का अंग वर्णन।
4. तबले के महत्व व प्रयोग की विस्तृत जानकारी।
5. निम्नांकित की परिभाषाएँ :-

पेशकार, कायदा, आमद, रेला, गत, तोड़ा, परन, तोड़ा, मुखड़ा, उठान, गत कायदा, मत परन।

प्रश्न पत्र – द्वितीय (क्रियात्मक)

अधिकतम अंक : 120 समय : 45 मिनट

1. निम्नांकित में से किन्हीं तीन तालों का सम्पूर्ण बाज तैयार करें :-
   त्रिताल, झपताल, एकताल, रूपक।
2. प्रचलित तालों के ठेकों व विभिन्न लयकारियों का ज्ञान।
3. ध्रुपद, धमार, बड़ा ख्याल, छोटे ख्याल के साथ तबला वादन की संगत का अभ्यास।
4. उपशास्त्रीय सुगम व लोक संगीत के साथ संगत करने का अभ्यास।